DETAIL- HISTORY

अग्निशमन चौकी आनी की आवश्यकता का विस्तार इतिहास

विकास खण्ड आनी के अन्दर 32 पंचायतें हैं। जिसका क्षेत्रफल बहुत ज्यादा है। लगभग सभी पंचायतें सडक मार्ग से जुडी हैं। सभी पंचायतों का केंद्र बिन्दु आनी पडता है। आनी क्षेत्र के अन्दर हर साल अग्नि काण्ड,सडक दुर्घटनाऐं तथा जंगल की आग की घटनाऐं अधिक होते जा रही है। जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाऐं होती है तो बचाव कार्य के लिए अग्निशमन केंद्र रामपुर को बुलानी पडती है। जो कि केंद्र बिन्दु आनी से लगभग 55 कि0मी0 दूरी पर पडता है। इसके इलावा दमकल चौकी लारजी से यह केंद्र बिन्दु आनी 70 कि0मी0 दूरी पर पडता है। जब भी आग जनी की घटना घटीत हुई है जितने में अग्निशमन कर्मचारी पहुंचतें है तक सब कुछ जलकर नष्ट हो जाता है। जैसे कि काफी वर्ष पहले उपमण्डल अधिकारी कार्यालय आनी में आग लगी थी जितने में अग्निशमन कर्मचारी पहुंचे तब तक पुरी तरह से जलकर नष्ट हो चुका था। इसके इलावा एक बार किरण बजार में किसी रिहायशी इमारत में आग लगी थी वह भी दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही जलकर नष्ट हो गया । इस प्रकार गांव में भी बहुत सारी घटनाऐं घटित हुई है। जिसे गाओं के लोगो को दुर के अग्निशमन केंद्र का पता भी नही होता था।

वचाव कार्य के सम्बन्ध में :-

इसी प्रकार ग्रम पंचायत बुछैर के अन्दर लगभग पांच साल पहले बस दुर्घटना हुई जिसमें काफी लोगों की जानें गई। यदि आनी में पहले से ही दमकल चौकी होती तो समय पर वचाव कार्य किया जा सकता था और लोगों की जानें बच सकती थी। इसलिए आनी क्षेत्र के लोगों नें सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द आनी में दमकल चौकी खोलने कृपा करें।

Commandant Home Guard
Dn. Kullu (H.P.)